राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

माध्यमिक पाठ्यक्रम : लेखांकन

पाठ 4 : लेखांकन समीकरण

कार्यपत्रक - 4

1. परिसंपत्तियां हमेशा देनदारियों के बराबर होती हैं। इस कथन के प्रकाश में लेखांकन समीकरण के महत्व को स्पष्ट कीजिये ।

2. 'व्यवसाय के पास अपना कुछ नहीं होता और न ही वह किसी का ऋणी होता है'। एक उदाहरण की मदद से लेखांकन समीकरण पर व्यापारिक लेन-देन के प्रभाव को स्पष्ट कीजिये ।

निम्नलिखित का प्रभाव लेखा समीकरण पर कैसे होगा (प्रश्न 3-6) -

3. अनीता ने रु.15,00,000/- नकद के साथ कारोबार शुरू किया। उसने रु. 15,00,000/- पूंजी निवेश की ।

4. अनीता ने रु.1,00,000/- का सामान खरीदा।

5. अनीता ने रोहित को रुपये 2,00,000/- में सामान बेचा। (लागत रु. 1,00,000/-)

6. संपत्तियों, देनदारियों और पूंजी के बीच अंतर-संबंध को विभिन्न रूपों में व्यक्त किया जा सकता है। उन नौ संयोजनों का वर्णन कीजिये जो उदाहरण देते हुए बनाए जा सकते हैं।

7. एक लेखांकन समीकरण में आगम और व्यय का क्या प्रभाव पड़ता है? विस्तार से लिखिए ।

8. आपका मित्र अजय लेखा समीकरण ठीक से समझ नहीं आया । उसे लेखांकन समीकरणों के नियम स्पष्ट करें ।

9. लेखा समीकरण पर निम्नलिखित लेन-देन का प्रभाव दर्शाएँ -
रत्ना ने निम्न के साथ कारोबार शुरू किया।
नकद रु.8,00,000
माल रु.3,50,000
नकद रु.1,00,000 का माल खरीदा
बेचा सामान रु.60,000 (लागत 50,000)
वेतन रु.90,000 का भुगतान किया
अदत्त किराया रु.25,000
नकद मशीनरी खरीदी रु.60,000
बेटे के लिए कार खरीदी रु.3,00,000

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

माध्यमिक पाठ्यक्रम : लेखांकन

पाठ 4 : लेखांकन समीकरण

कार्यपत्रक - 4

10. अपनी पसंद के किसी भी दस व्यापारिक लेन-देन की पहचान कीजिये और उनके लिए एक लेखा समीकरण तैयार कीजिये ।